एसकेआरएयू तथा चौधरी चरण सिंह कृषि विश्वविद्यालय में एमओयू

किसानों और कृषि विद्यार्थियों के हित में मिलकर करेंगे काम

कामयाब कलम रिपोर्टर।

बीकानेर। कृषि क्षेत्र में शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय ने चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार के साथ एक एमओयू पर हस्ताक्षर किया है। इस समझौते के तहत दोनों विश्वविद्यालय अपने यहां उपलब्ध संसाधनों, शिक्षकों, वैज्ञानिकों के मार्गदर्शन साझा करने के साथ- साथ अनुसंधान और शैक्षणिक सुविधाओं के उपयोग में सहयोग कर सकेंगे। इस एम ओ यू से दोनों विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों को सीधा लाभ मिलेगा तथा कृषि क्षेत्र में अनुसंधान गतिविधियां भी साझा होंगी, जिससे क्षेत्र के किसान लाभान्वित होंगे।हिसार में हुए इस एम ओ यू में एसकेआरएयू के कुलगुरु डॉ. आरबी दुबे तथा सीसीएसएचएयू के कुलपति प्रो. बी.आर. कंबोज द्वारा हस्ताक्षर किए गए। अनुसंधान निदेशक डॉ. एन के शर्मा ने बताया कि इस एमओयू के माध्यम से दोनों विश्वविद्यालयों के संसाधनों का बेहतरीन उपयोग सुनिश्चित किया जा सकेगा। एम ओ यू से दोनों विश्वविद्यालयों के एडवाइजरी बोर्ड के सदस्य साझा करने, फैकल्टी तथा स्टूडेंट एक्सचेंज प्रोग्राम चलाने का मार्ग प्रशस्त होगा। एम ओ नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप इस समझौते से उपलब्ध शैक्षणिक संसाधनों का अधिक प्रभावी उपयोग होगा। साथ ही विद्यार्थियों और शोधार्थियों को ज्ञान, अनुभव एवं अनुसंधान के नए अवसर प्राप्त होंगे। इससे कृषि शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के साथ ही कृषि क्षेत्र में नवाचार और तकनीकी विकास को भी गति मिलने की उम्मीद है। इस अवसर पर सीसीएसएचएयू के अनुसंधान निदेशक डॉ राजवीर गर्ग, रजिस्ट्रार सहित अन्य डीन डायरेक्टर्स उपस्थित रहे।

कृषि विज्ञान केंद्र व कृषि महाविद्यालय का किया दौरा

कृषि विश्वविद्यालय कुलगुरु आए चांदगोठी

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

सांखू फोर्ट. प्रोफेसर राजेन्द्र बाबू दुबे, कुलगुरु स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय तथा प्रोफेसर एन. के. शर्मा, अनुसंधान निदेशक, बीकानेर ने गुरुवार को कृषि विज्ञान केंद्र तथा कृषि महाविद्यालय, चांदगोठी का दौरा किया।

महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. सागर मल कुमावत, सहायक अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. विष्णु प्रकाश अग्रवाल तथा वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ. बलबीर सिंह ने उनका स्वागत किया। इसके बाद कुलगुरु तथा निदेशक ने महाविद्यालय में संचालित वर्मीकम्पोस्ट इकाई, मशरूम उत्पाद इकाई, व्यवसायिक नर्सरी इकाई व

सांखू फोर्ट. कृषि विज्ञान केंद्र में मौजूद चांद गोठी में कृषि विश्वविद्यालय कुलगुरु

प्रयोगशाला को देखा और महाविद्यालय में चल रहे कार्यों की जानकारी ली। उन्होंने महाविद्यालय में चल रहे कार्यों की गति देने के लिए आवश्यक सुविधा मुहैया कराने का आश्वासन दिया।

इस दौरान कुलगुरु ने कृषि महाविद्यालय के छात्रों से अध्यापन व अन्य सुविधाओं के बारे में बातचीत की और नवनिर्मित पोस्ट-हार्वेस्ट प्रयोगशाला का उद्घाटन किया। कृषि विज्ञान केन्द्र चांदगोठी पर कार्यरत डॉ. अदिति गुप्ता, विषय वस्तु विशेषज्ञ (खाद्य एवं पोषण) द्वारा बनाएं गए मूल्य संवर्धित बाजरा उत्पादों यथा बिस्किट्स एवं अन्य उत्पादों जैसे तुम्बा अचार, चूर्ण, केंडी आदि का उन्होंने ने जायजा लिया और इनके पेटेंट व व्यावसायिकीकरण की बात कही। केंद्र की ओर से किसानो को कुलगुरु द्वारा क्षेत्र प्रदर्शन के लिए चने का उन्नत बीज व अन्य कृषि आदान वितरित किए गए । अधिष्ठाता ने महाविद्यालय की चारदीवारी निर्माण की प्रगति रिपोर्ट से कुलगुरु को अवगत कराया तथा महाविद्यालय की बिल्डिंग को जल्द शुरू करवाने के आवश्यक प्रयास का आग्रह किया। इस अवसर पर डॉ. शौकत अली, विषय वस्तु विशेषज्ञ (शस्य विज्ञान), अतिथि संकाय शिक्षकों में डॉ. ललिता वर्मा, डॉ. विजय कुमार, डॉ. जसवीर सिंह, डॉ. हिमांशु चावला, डॉ. शिवानी अग्रवाल एवं वीरेंद्र सिंह राठोड़ उपस्थित थे ।

महाविद्यालय चांदगोठी का दौरा और कृषि गतिविधियों की ली जानकारी

जागरूक टाइम्स संवाददाता

सादुलपुर। प्रोफेसर राजेन्द्र बाबू दुबे, कुलगुरु स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय तथा प्रोफेसर एन. के. शर्मा, अनुसंधान निदेशक, बीकानेर ने गुरूवार को 28/10/2026 को कृषि विज्ञान केंद्र, चाँदगोठी तथा कृषि महाविद्यालय, चाँदगोठी (चूरू) का दौरा किया । इस अवसर पर महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. सागर मल कुमावत, सहायक अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. विष्णु प्रकाश अग्रवाल तथा वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ. बलबीर सिंहने सभी स्टाफ सदस्यों के साथ आगंतुको का स्वागत किया। इसके बाद कुलगुरु तथा निदेशक महोदय ने महाविद्यालय में संचालित वर्मीकम्पोस्ट इकाई, मशरूम उत्पाद इकाई, व्यवसायिक नर्सरी इकाई वप्रयोगशाला का भ्रमण किया और महाविद्यालय में चल रहे कार्यों की जानकारी ली और महाविद्यालय में चल रहे कार्यों की गति हेतु आवश्यक सुविधा मुहैया कराने का आश्वासन दिया ।

कुलगुरु महोदय ने कृषि महाविद्यालय के छात्रों से अध्यापन व् अन्य सुविधाओं के बारे में बातचीत की और एक नवनिर्मित पोस्ट-हार्वेस्ट प्रयोगशाला का उद्घाटन किया । कृषि विज्ञान केन्द्र चाँदगोठी पर कार्यरत डॉ. अदिति गुप्ता, विषय वस्तु विशेषज्ञ (खाद्य एवं पोषण) द्वारा बनाये गए मूल्य संवर्धित बाजरा उत्पादो यथा बिस्किट्स एवं अन्य उत्पादों जैसे तुम्बा अचार, चूर्ण, केंडी आदि का आगंतुकों ने जायजा लिया और इनके पेटेंट व व्यावसायिकीकरण की बात कही । इसके बाद केंद्र की ओर से किसानो को कुलगुरु द्वारा क्षेत्र प्रदर्शन हेतु चने का उन्नत बीज व अन्य कृषि आदान वितरित किये गये ।

अधिष्ठाता महोदय ने महाविद्यालय की चारदीवारी निर्माण की प्रगति रिपोर्ट से कुलगुरु महोदय को अवगत कराया तथा महाविद्यालय की बिल्डिंग को जल्द शुरू करवाने हेतु आवश्यक प्रयास हेतु निवेदन किया । कुलगुरु ने महाविद्यालय में चल रही शेक्षणिक गतिविधियों हेतु महाविद्यालय प्रशासन वसंकाय सदस्यों की सराहना की ।

इस अवसर पर डॉ. शौकत अली, विषय वस्तु विशेषज्ञ (शस्य विज्ञान),अतिथि संकाय शिक्षकों में डॉ. ललिता वर्मा, डॉ. विजय कुमार, डॉ. जसवीर सिंह, डॉ. हिमांशु चावला,डॉ. शिवानी अग्रवालएवं वीरेंद्र सिंह राठोड़ उपस्थित थे ।

कृषि विश्वविद्यालय कुलगुरु ने किया कृषि विज्ञान केंद्र व कृषि विद्यालय चांदगोठी का दौरा और कृषि गतिविधियों की ली जानकारी

रूक टाइम्स संवाददाता

पुर। प्रोफेसर राजेन्द्र बाबू कुलगुरु स्वामी केशवानन्द न कृषि विश्वविद्यालय तथा र एन. के. शर्मा, अनुसंधान क, बीकानेर ने गुरूवार को /2026 को कृषि विज्ञान चाँदगोठी तथा कृषि द्यालय, चाँदगोठी (चूरू) का किया । इस अवसर पर द्यालय के अधिष्ठाता डॉ. मल कुमावत, सहायक ता छात्र कल्याण डॉ. विष्णु अग्रवाल तथा वरिष्ठ क एवं अध्यक्ष डॉ. बलबीर सभी स्टाफ सदस्यों के साथ को का स्वागत किया। इसके लगुरु तथा निदेशक महोदय हाविद्यालय में संचालित प्पोस्ट इकाई, मशरूम उत्पाद व्यवसायिक नर्सरी इकाई शाला का भ्रमण किया और द्यालय में चल रहे कार्यों की जानकारी ली और महाविद्यालय में चल रहे कार्यों की गति हेतु आवश्यक सुविधा मुहैया कराने का आश्वासन दिया ।

कुलगुरु महोदय ने कृषि महाविद्यालय के छात्रों से अध्यापन व् अन्य सुविधाओं के बारे में बातचीत की और एक नवनिर्मित पोस्ट-हार्वेस्ट प्रयोगशाला का उद्घाटन किया । कृषि विज्ञान केन्द्र चाँदगोठी पर कार्यरत डॉ. अदिति गुप्ता, विषय वस्तु विशेषज्ञ (खाद्य एवं पोषण) द्वारा बनाये गए मूल्य संवर्धित बाजरा उत्पादो यथा बिस्किट्स एवं अन्य उत्पादों जैसे तुम्बा अचार, चूर्ण, केंडी आदि का आगंतुकों ने जायजा लिया और इनके पेटेंट व व्यावसायिकीकरण की बात कही । इसके बाद केंद्र की ओर से किसानो को कुलगुरु द्वारा क्षेत्र प्रदर्शन हेतु चने का उन्नत बीज व अन्य कृषि आदान वितरित किये गये ।

अधिष्ठाता महोदय ने महाविद्यालय की चारदीवारी निर्माण की प्रगति रिपोर्ट से कुलगुरु महोदय को अवगत कराया तथा महाविद्यालय की बिल्डिंग को जल्द शुरू करवाने हेतु आवश्यक प्रयास हेतु निवेदन किया । कुलगुरु ने महाविद्यालय में चल रही शेक्षणिक गतिविधियों हेतु महाविद्यालय प्रशासन वसंकाय सदस्यों की सराहना की ।

इस अवसर पर डॉ. शौकत अली, विषय वस्तु विशेषज्ञ (शस्य विज्ञान),अतिथि संकाय शिक्षकों में डॉ. ललिता वर्मा, डॉ. विजय कुमार, डॉ. जसवीर सिंह, डॉ. हिमांशु चावला,डॉ. शिवानी अग्रवालएवं वीरेंद्र सिंह राठोड़ उपस्थित थे ।

व्यवस्था के लिए ग्राम विकास अधिकारियों की बैठक

अब कृषि विद्यार्थियों को मिलेगा दूसरे विश्वविद्यालयों का अनुभव

एसकेआरएयू और एचएयू के बीच एमओयू, फैकल्टी-स्टूडेंट एक्सचेंज और साझा अनुसंधान पर रहेगा जोर

बीकानेर | कृषि विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक अवसर उपलब्ध कराने और अनुसंधान के निष्कर्षों को किसानों तक पहुंचाने की दिशा में स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय (एसकेआरएयू), बीकानेर और चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (सीसीएसएचएयू), हिसार ने साझा पहल की है। दोनों विश्वविद्यालयों के बीच हुए समझौता ज्ञापन (एमओयू) से विद्यार्थियों, शोधार्थियों और वैज्ञानिकों को आपसी सहयोग के जरिए ज्ञान एवं अनुभव साझा करने के नए अवसर मिलेंगे।

हिसार में हुए समझौते पर एसकेआरएयू के कुलगुरु डॉ.आरबी दुबे और सीसीएसएचएयू के कुलपति प्रो. बीआर कंबोज ने हस्ताक्षर किए। इसके तहत दोनों संस्थान शैक्षणिक संसाधनों, वैज्ञानिक विशेषज्ञता, अनुसंधान सुविधाओं और शिक्षकों के अनुभव का परस्पर उपयोग कर सकेंगे। समझौते का एक प्रमुख उद्देश्य कृषि अनुसंधान और तकनीकी विकास को प्रोत्साहित करना है। दोनों विश्वविद्यालय अपनी विशेषज्ञता और उपलब्ध सुविधाओं का साझा उपयोग कर कृषि क्षेत्र से जुड़ी समस्याओं के समाधान की दिशा में काम कर सकेंगे। अनुसंधान गतिविधियों में सहयोग से विकसित ज्ञान और तकनीकों को किसानों के हित में उपयोग करने की संभावनाएं भी बढ़ेंगी।

विद्यार्थियों के लिए खुलेंगे नए अवसर

एसकेआरएयू के अनुसंधान निदेशक डॉ. एनके शर्मा ने बताया कि इस समझौते के माध्यम से दोनों विश्वविद्यालयों के बीच फैकल्टी और स्टूडेंट एक्सचेंज कार्यक्रम संचालित करने की संभावनाएं बढ़ेंगी। साथ ही, दोनों संस्थानों के एडवाइजरी बोर्ड के सदस्यों के बीच भी सहयोग स्थापित किया जा सकेगा। इससे विद्यार्थियों और शोधार्थियों को अलग-अलग शैक्षणिक वातावरण में सीखने, नई तकनीकों को समझने और अनुसंधान संबंधी अनुभव हासिल करने का अवसर मिलेगा।

कृषि शिक्षा, अनुसंधान में सहयोग के लिए

एसकेआरएयू-चौधरी चरण सिंह कृषि विवि ने मिलाया हाथ

किसानों और कृषि विद्यार्थियों के हित में मिलकर करेंगे काम

बीकानेर, (निसं)। कृषि क्षेत्र में शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय (एसकेआरएयू) ने चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किया है। इस समझौते के तहत दोनों विश्वविद्यालय अपने यहां उपलब्ध संसाधनों, शिक्षकों, वैज्ञानिकों के मार्गदर्शन साझा करने के साथ-साथ अनुसंधान और शैक्षणिक सुविधाओं के उपयोग में सहयोग कर सकेंगे। इसएमओ यू से दोनों विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों को सीधा लाभ मिलेगा तथा कृषि क्षेत्र में अनुसंधान गतिविधियां भी साझा होंगी, जिससे क्षेत्र के किसान लाभान्वित होंगे। हिसार में हुए इस एम ओ यू में एसकेआरएयू के कुलगुरु डॉ. आरबी दुबे तथा सीसीएसएचएयू के कुलपति प्रो. बी.आर. कंबोज द्वारा हस्ताक्षर किए गए।

अनुसंधान निदेशक डॉ. एन के शर्मा ने बताया कि इस एमओयू के माध्यम से दोनों विश्वविद्यालयों के संसाधनों का बेहतरीन उपयोग सुनिश्चित किया जा सकेगा। एम ओ यू से दोनों विश्वविद्यालयों के एडवाइजरी बोर्ड के सदस्य साझा करने, फैकल्टी तथा स्टूडेंट एक्सचेंज प्रोग्राम चलाने का मार्ग प्रशस्त होगा। एम ओ नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप इस समझौते से उपलब्ध शैक्षणिक संसाधनों का अधिक प्रभावी उपयोग होगा। साथ ही विद्यार्थियों और शोधार्थियों को ज्ञान, अनुभव एवं अनुसंधान के नए अवसर प्राप्त होंगे। इससे कृषि शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के साथ ही कृषि क्षेत्र में नवाचार और तकनीकी विकास को भी गति मिलने की उम्मीद है। इस अवसर पर सीसीएसएचएयू के अनुसंधान निदेशक डॉ राजवीर गर्ग, रजिस्ट्रार सहित अन्य डीन डायरेक्टर्स उपस्थित रहे।

कृषि शिक्षा और अनुसंधान को नई दिशा देगा एमओयू, एक्सचेंज प्रोग्राम का खुलेगा रास्ता

एसकेआरएयू व चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विवि में एमओयू

बीकानेर @ पत्रिका. कृषि क्षेत्र में शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय (एसकेआरएयू) बीकानेर और चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए हैं। इस समझौते से दोनों विश्वविद्यालयों के बीच शैक्षणिक एवं अनुसंधान गतिविधियों को नई दिशा मिलेगी। साथ ही कृषि क्षेत्र में उपलब्ध संसाधनों और विशेषज्ञता का बेहतर उपयोग संभव हो सकेगा। एमओयू के तहत दोनों विश्वविद्यालय एक-दूसरे के साथ अपने उपलब्ध संसाधन, शिक्षकों, वैज्ञानिकों और विशेषज्ञों का मार्गदर्शन साझा कर सकेंगे। इसके अलावा, अनुसंधान एवं शैक्षणिक सुविधाओं के उपयोग में भी आपसी सहयोग किया जाएगा। इससे कृषि शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के साथ ही विद्यार्थियों, शोधार्थियों और वैज्ञानिकों को नए अवसर मिलने की उम्मीद है।

इस सहयोग का प्रमुख उद्देश्य कृषि क्षेत्र से जुड़ी समस्याओं के समाधान के लिए संयुक्त प्रयास करना और आधुनिक तकनीकों एवं नवाचारों को प्रोत्साहित करना है। हिसार में हुए इस एमओयू में एसकेआरएयू के कुलगुरु डॉ. आरबी दुबे तथा सीसीएसएचएयू के कुलपति प्रो. बीआर कंबोज की ओर से हस्ताक्षर किए गए।

राजस्थान सरकार

न्यायालय उप तहसीलदार (राजस्व) दामोलाई मय राणेर जिला बीकानेर

Official Mail I'd :- tdr.damolai@rajasthan.gov.in/gmail.com

क्रमांक :- तिह/वसीयत/2026/385 दिनांक :- 12/10/2026

आम सूचना

हर आम व खास को यह सूचित किया जाता है कि भगवान चंद प्रजापत पुत्र मंगलाराम, जाति प्रजापत साकिन कुम्हारी का खास लाइनू जिला हीदायत कुआमन, के नाम से कि खसरा छलरगढ़ जिला बीकानेर के पक्ष 1 एगलाती का मुरब्बा नंबर 129/33 में एक मुरब्बे में 5 बीघा अकस्माण्ड, तथा 20 बीघा कास्तकार कृषि भूमि है, अतः कुल खातरी 25 बीघा खातेदारी कास्तकार/अकस्माण्ड कृषि भूमि दर्ज राजस्व तिकार्ड है। उक्त रकबे कि वसीयत भगवान चंद प्रजापत पुत्र मंगलाराम द्वारा अपने पौत्र भानेश प्रजापत पुत्र रणजीत कुमार जाति प्रजापत, साकिन कुम्हारी का खास लाइनू जिला हीदायत कुआमन, (राजस्थान) के नाम से दिनांक 29.01.2026 को वसीयतनामा लिखवाकर हस्ताक्षर कर के दिनांक 17.06.2026 को जरिये अधिवक्ता मनीष गोदारा (सी.नं. 27865), सुजानगढ़ (चूरू) से तहरीर करवाकर सत्यापित करवाई गई। वसीयतकर्ता भगवान चंद प्रजापत पुत्र मंगलाराम, जाति प्रजापत साकिन कुम्हारी का खास लाइनू जिला हीदायत कुआमन, का स्वर्गवास दिनांक 15.03.2026 को हो चुका है। उक्त वसीयत में वर्णित रकबे का फाम्बातकरण प्रभावों के पक्ष में दर्ज किये जाने हेतु वसीयत प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया गया है। इस वसीयत के मुताबिक इन्तकाल दर्ज कराने बाबत प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है। इस सम्बंध में किसी को कोई ऐतराज हो तो सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर आपत्ति, या सबूत पेश करे। अन्यथा इक तरफा फैसले कि कार्यवाही करते हुये उक्त वसीयत के प्रार्थना-नुसार इन्तकाल दर्ज कर दिया जावेगा।

उप तहसीलदार (राजस्व) दामोलाई मय राणेर

कृषि शिक्षा और अनुसंधान को नई दिशा देगा एमओयू, एक्सचेंज प्रोग्राम का खुलेगा रास्ता

एसकेआरएयू व चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विवि में एमओयू

बीकानेर @ पत्रिका. कृषि क्षेत्र में शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय (एसकेआरएयू) बीकानेर और चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए हैं। इस समझौते से दोनों विश्वविद्यालयों के बीच शैक्षणिक एवं अनुसंधान गतिविधियों को नई दिशा मिलेगी। साथ ही कृषि क्षेत्र में उपलब्ध संसाधनों और विशेषज्ञता का बेहतर उपयोग संभव हो सकेगा। एमओयू के तहत दोनों विश्वविद्यालय एक-दूसरे के साथ अपने उपलब्ध संसाधन, शिक्षकों, वैज्ञानिकों और विशेषज्ञों का मार्गदर्शन साझा कर सकेंगे। इसके अलावा, अनुसंधान एवं शैक्षणिक सुविधाओं के उपयोग में भी आपसी सहयोग किया जाएगा। इससे कृषि शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के साथ ही विद्यार्थियों, शोधार्थियों और वैज्ञानिकों को नए अवसर मिलने की उम्मीद है।

इस सहयोग का प्रमुख उद्देश्य कृषि क्षेत्र से जुड़ी समस्याओं के समाधान के लिए संयुक्त प्रयास करना और आधुनिक तकनीकों एवं नवाचारों को प्रोत्साहित करना है। हिसार में हुए इस एमओयू में एसकेआरएयू के कुलगुरु डॉ. आरबी दुबे तथा सीसीएसएचएयू के कुलपति प्रो. बीआर कंबोज की ओर से हस्ताक्षर किए गए।

राजस्थान सरकार

न्यायालय उप तहसीलदार (राजस्व) दामोलाई मय राणेर जिला बीकानेर

Official Mail I'd :- tdr.damolai@rajasthan.gov.in/gmail.com

क्रमांक :- तिह/वसीयत/2026/385 दिनांक :- 12/10/2026

आम सूचना

हर आम व खास को यह सूचित किया जाता है कि भगवान चंद प्रजापत पुत्र मंगलाराम, जाति प्रजापत साकिन कुम्हारी का खास लाइनू जिला हीदायत कुआमन, के नाम से कि खसरा छलरगढ़ जिला बीकानेर के पक्ष 1 एगलाती का मुरब्बा नंबर 129/33 में एक मुरब्बे में 5 बीघा अकस्माण्ड, तथा 20 बीघा कास्तकार कृषि भूमि है, अतः कुल खातरी 25 बीघा खातेदारी कास्तकार/अकस्माण्ड कृषि भूमि दर्ज राजस्व तिकार्ड है। उक्त रकबे कि वसीयत भगवान चंद प्रजापत पुत्र मंगलाराम द्वारा अपने पौत्र भानेश प्रजापत पुत्र रणजीत कुमार जाति प्रजापत, साकिन कुम्हारी का खास लाइनू जिला हीदायत कुआमन, (राजस्थान) के नाम से दिनांक 29.01.2026 को वसीयतनामा लिखवाकर हस्ताक्षर कर के दिनांक 17.06.2026 को जरिये अधिवक्ता मनीष गोदारा (सी.नं. 27865), सुजानगढ़ (चूरू) से तहरीर करवाकर सत्यापित करवाई गई। वसीयतकर्ता भगवान चंद प्रजापत पुत्र मंगलाराम, जाति प्रजापत साकिन कुम्हारी का खास लाइनू जिला हीदायत कुआमन, का स्वर्गवास दिनांक 15.03.2026 को हो चुका है। उक्त वसीयत में वर्णित रकबे का फाम्बातकरण प्रभावों के पक्ष में दर्ज किये जाने हेतु वसीयत प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया गया है। इस वसीयत के मुताबिक इन्तकाल दर्ज कराने बाबत प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है। इस सम्बंध में किसी को कोई ऐतराज हो तो सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर आपत्ति, या सबूत पेश करे। अन्यथा इक तरफा फैसले कि कार्यवाही करते हुये उक्त वसीयत के प्रार्थना-नुसार इन्तकाल दर्ज कर दिया जावेगा।

उप तहसीलदार (राजस्व) दामोलाई मय राणेर

कृषि महाविद्यालय श्रीगंगानगर में एग्रीफेस्ट 2026 का सफल आयोजन, विद्यार्थियों ने दिखाई सांस्कृतिक प्रतिभा

सीमा किरण

श्रीगंगानगर। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर के अधीनस्थ कृषि महाविद्यालय, श्रीगंगानगर में दो दिवसीय सांस्कृतिक महोत्सव एग्रीफेस्ट 2026 का आयोजन 27-28 अक्टूबर को सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम में कृषि संकाय के विद्यार्थियों ने रंगोली, आशु भाषण, वाद-विवाद, निबंध लेखन, पोस्टर मेकिंग, गायन एवं नृत्य जैसी विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेकर अपनी प्रतिभा का बेहतरीन प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय अधिष्ठाता डॉ. बी.एस. मीणा ने किया। उन्होंने विद्यार्थियों को अधिक से अधिक संख्या में प्रतियोगिताओं में भाग लेने और अपनी छिपी हुई प्रतिभा को निखारने के लिए प्रेरित किया। सांस्कृतिक समन्वयक डॉ. सीमा चावला ने कार्यक्रम का संचालन कुशलतापूर्वक किया। उनके सहयोगी के रूप में महाविद्यालय स्टाफ के डॉ. रूप सिंह मीणा, डॉ. रविन्द्र, डॉ. सुरजान, डॉ. कैलाश एवं डॉ. योगिता ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

दोनों दिनों तक चले इस सांस्कृतिक उत्सव में विद्यार्थियों ने उत्साह के साथ भाग लिया। अंतिम दिन सभी प्रतियोगिताओं के परिणाम घोषित किए गए और विजेता विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में कृषि विद्यार्थियों लोकेन्द्र, हेमन्त एवं रुद्र प्रताप का विशेष सहयोग रहा।

कार्यक्रम के समापन पर डॉ. सीमा चावला ने सभी शिक्षकों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में सहायक सिद्ध होते हैं।

एग्रीफेस्ट 2026 ने न केवल विद्यार्थियों को अपनी सांस्कृतिक क्षमताओं का प्रदर्शन करने का मंच दिया, बल्कि महाविद्यालय परिसर में सकारात्मक और रचनात्मक माहौल भी बनाया।

हाईकोर्ट: 3 साल बाद भी आइसीएआर की मान्यता के लिए आवेदन नहीं किया

प्रदेश के 42 निजी कृषि कॉलेजों में प्रवेश पर रोक, जेट-2026 काउंसलिंग से बाहर

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

उदयपुर. राज्य मे पिछले तीन वर्षों से नियम और तय मानकों के बिना संचालित हो रहे निजी कृषि महाविद्यालयों पर कृषि विभाग के बाद अब हाईकोर्ट ने भी शिकंजा कस दिया है। वर्ष 2022 की राज्य कृषि शिक्षा नीति की अनिवार्य शर्तों का पालन न करने पर हाईकोर्ट ने कृषि विभाग की ओर से इनकी अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) रद्द करने के फैसले को सही ठहराया है। हाईकोर्ट की ओर से सात प्रमुख निजी कृषि कॉलेजों की याचिकाएं खारिज किए जाने के बाद अब यह स्पष्ट हो गया कि प्रदेश के लगभग 42 निजी कृषि कॉलेजों में इस शैक्षणिक सत्र नए दाखिले नहीं होंगे। इनमें 31 निजी कृषि कॉलेज व 11 प्राइवेट यूनिवर्सिटी से सम्बद्ध कृषि कॉलेज शामिल हैं।

पढ़ें **प्रदेश** @ पेज 04

इन 7 कॉलेजों की याचिकाएं खारिज

- एसकेडी कृषि कॉलेज (हनुमानगढ़)
- श्री विनायक कृषि कॉलेज (जयपुर)
- एसएलबीएस कृषि कॉलेज (जोधपुर)
- श्रीनाथजी कृषि कॉलेज (नाथद्वारा)
- एपेक्स कृषि संस्थान (कोटा)
- ब्राइट कॅरियर कृषि कॉलेज (नोखा)
- सौरभ कृषि कॉलेज (हिंडौन)

काउंसलिंग के बीच विभाग ने रोकी थी एनओसी

बीकानेर स्थित स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विवि की ओर से जेट काउंसलिंग-2026 के बीच ही कृषि आयुक्त ने 10 अक्टूबर को नियमों की अनदेखी करने वाले कॉलेजों की सत्र 2026-27 के लिए एनओसी विस्तार याचिका खारिज कर दी थी। इस आदेश के खिलाफ निजी कृषि कॉलेजों ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। विकल्प फॉर्म भरने की अंतिम तिथि से ठीक पहले रविवार देर रात न्यायाधीश नूपुर भाटी ने इन याचिकाओं को खारिज कर दिया। इसके बाद विभाग ने 42 कॉलेजों की मान्यता रद्द कर दी। प्रशासनिक आदेश और अदालती रुख के अनुसार, इन कॉलेजों में पहले से अध्ययनरत छात्रों की पढ़ाई पर कोई असर नहीं पड़ेगा और वे अपनी डिग्री पूरी कर सकेंगे।

इनका उल्लंघन...

1. **विभागीय** जांच में सामने आया कि ये कॉलेज 20 सितंबर 2022 की नीति के खंड 8.2 के तहत तय अनिवार्य शर्तों का उल्लंघन कर रहे थे।
2. **भारतीय** कृषि अनुसंधान परिषद की मान्यता के लिए निर्धारित समय-सीमा में आवेदन तक नहीं।
3. **तय** पैमानों के अनुरूप योग्य शैक्षणिक और गैर-शैक्षणिक स्टाफ की नियुक्तियां नहीं।
4. **स्टाफ** को नियमित वेतन भुगतान, भविष्य निधि, कर्मचारी राज्य बीमा और बायोमेट्रिक उपस्थिति की अनिवार्य व्यवस्था का पालन नहीं।
5. **कई** कॉलेजों की आधिकारिक वेबसाइट तक नहीं बनी थी, और जिनकी बनी थी, उन्होंने आवंटित छात्रों से जुड़ी अनिवार्य जानकारियां वेबसाइट पर अपलोड नहीं की।